>

Title: Need to take initiatives to release the fishermen languishing in Pakistani Jails.

श्री जगदीश ठाकोर (पाटन): गुजरात के तटीय इलाकों में गरीब मछुआरों का परंपरागत रोजगार समुद्र में मछली पकड़ना हैं यह ही इनकी आजीविका का मूल साधन है। पाकिस्तान तटरक्षकों द्वारा समय-समय पर सीमा उल्लंघन के नाम पर मछुआरों को पकड़ लिया जाता है एवं मछुआरों को पाकिस्तानी जेलों में तथा बोटों को पाकिस्तान में जब्त कर रखा गया है।

गुजरात का एक प्रतिनिधि मंडल माननीय प्रधानमंत्री जी से मिला और वास्तविक स्थिति से अवगत कराया। प्रधानमंत्री जी ने इन मछुआरों की दयनीय स्थिति को ध्यान में रखकर पैकेज की घोषणा की है। पकड़े गये मछुआरों के परिवार को तीन लाख रूपये तथ जब्त बोट के मालिक को 11 लाख 25 हजार रूपये देना एक सराहनीय कदम है, जिसका मैं स्वागत करता हूँ।

गत दिनों इस विषय पर विदेश मंत्री स्तर पर वार्ता हुई है तथ कुछ बिंदुओं पर सहमति बनी, किन्तु दुख के साथ् कहना पड़ रहा है कि इन प्रयासों के पश्चात भी पाकिस्तान ने 121 मछुआरों तथ 23 बोटों को पकड़ रखा है। मेरा सदन के माध्यम से सरकार से यह अनुरोध है कि इस समस्या के समाधान हेतु सतत् प्रयास कर कोइ ठोस परिणाम निकाला जाये।

आज भी पाकिस्तान की जेलों में 542 मछुआरे एवं 532 बोट पाकिस्तान के कब्जे में है। मेरा अनुरोध है कि इन मछुआरों को पाकिस्तानी जेल से शीघ्र मुक्त कराया जाये तथा इनकी बोटों को शीघ्र छुड़वाने की व्यवस्था करें, जिससे तटीय क्षेत्र के मछुआरों के परिवार भयमुक्त वातावरण में अपना मछली पकड़ने का कार्य कर सके।